विषय: 'वर्तमान विकास प्रक्रिया और हिंदी की भूमिका'

दिनांक: 15 सितंबर, 2021

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के 'हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग' के हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' के अंतर्गत 15 सितंबर, 2021 को एक-दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय 'वर्तमान विकास प्रक्रिया और हिंदी की भूमिका' था। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग प्रभारी डॉ. अंजू बाला जी के स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ जिसके उपरांत 'मंथन' के संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह ने वक्ताओं का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बिहार लोक सभा आयोग के सदस्य प्रो. अरुण कुमार भगत तथा विशिष्ठ वक्ता के रूप में स्थानीय भाषा एवं सुगम्यता (Microsoft) के निदेशक, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्री बालेन्दु दाधीच थे। प्रो. भगत ने विषय पर चर्चा करते हुए हमारी प्राचीन काल से लेकर आज तक के हिंदी को बहुत ही संक्षेप परंतु महत्त्वपूर्ण रूप से प्रस्तुत किया. उन्होंने कहा कि हिंदी राष्ट्र बोध, अस्मिता व राष्ट्र निर्माण की भाषा है तथा हिंदी दिवस राष्ट्रीय पर्व की संज्ञा से अभिहीत है। हिंदी राष्ट्रीय संचेतना की भाषा है। इसमें सर्वसंग्रहवाद है। यह हजारों वर्षों की लोक साधना की भाषा है। हिंदी भाषा में अनुकूल प्रभाव की क्षमता है। उन्होंने कहा की हिंदी आज की जीवंत भाषा है। जिसमें फिल्म, कला, संगीत, विचार आदि को अभिव्यंजना देने की क्षमता है।

उसके बाद बालेन्दु शर्मा दाधीच ने विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि 'विकास' के संदर्भ में दो बातें हैं 'भाषा का विकास' और 'देश के विकास में भाषा का योगदान'। उन्होंने हिंदी के तकनीकी विकास पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीक आदि विषयों के अध्ययन में माध्यम के रूप में हिंदी को अपनाए जाने की आवश्यता है। इस क्रम में विविध प्रकार से स्थानीय भाषा को लोकप्रिय बनाना, औद्योगिक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व करना, उपयुक्त कन्टेन्ट का विकास करना, मार्केटिंग अभियान संचालित करना, मुख्यधारा के मीडिया के जरिए तकनीकी जागरूकता का प्रसार करना और भाषा तकनीक के मुद्दों पर एडवोकेसी की गतिविधियाँ चलाना शामिल हो सकता है। इसके बाद उन्होंने सुगम्यता और समावेशन (Inclusion) के अभियानकर्ता के रूप में समाज, संगठनों, कार्य-संस्कृति, प्रौद्योगिकी, उत्पादों, डिजाइन, संचार और परिवेश में समावेशन को बढ़ावा देने की बात की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के सभी सदस्यों का योगदान रहा| कार्यक्रम के समापन पर विभाग प्रभारी डॉ. अंजु बाला जी ने आभार व्यक्त किया। इसके बाद 'मंथन' सोसाइटी के संचालक महेंद्र प्रताप सिंह ने औपचारिक रूप से धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।